हिमNIC इंफोर्मेटिक्स
एन.आई.सी. हिमाचल प्रदेश द्वारा एक त्रैमासिक संवाद पत्र
खंड-04 | अंक-02 | अप्रैल-जून, 2026
https://nichimachal.nic.in/publication/news-letter

HGVMS

गृह रक्षक स्वयंसेवक प्रबंधन प्रणाली

https://hgvms.hp.gov.in

गृह रक्षक स्वयंसेवक प्रबंधन प्रणाली (Home Guards Volunteers Management System - HGVMS) हिमाचल प्रदेश में गृह रक्षक स्वयंसेवकों के सम्पूर्ण सेवा-चक्र के कुशल प्रबंधन के लिए एक व्यापक, सुरक्षित और वर्कफ़्लो-आधारित प्लेटफ़ॉर्म के रूप में परिकल्पित यह एक महत्वपूर्ण डिजिटल गवर्नेंस पहल है। इस दिशा में एक सुदृढ़ डिजिटल इकोसिस्टम के निर्माण के लिए, यह प्रणाली गृह रक्षक विभाग तथा राष्ट्रीय सूचना-विज्ञान केंद्र, हिमाचल प्रदेश (NIC) का एक संयुक्त प्रयास है जिसे सुरक्षित आर्किटेक्चर और भविष्य आधारित क्षमताओं के साथ, गृह रक्षक स्वयंसेवकों के प्रबंधन, तैनाती और कल्याण हेतु विकसित किया गया है।

प्रमुख विशेषताएँ

गृह रक्षकों के सम्पूर्ण सेवा-चक्र के सुव्यवस्थित संचालन के लिए गृह रक्षक स्वयंसेवक प्रबंधन प्रणाली इकोसिस्टम के एकीकृत मॉड्यूल्स:

मास्टर डेटा प्रबंधन: स्वयंसेवकों, बटालियन/वाहिनियों और प्रशासनिक इकाइयों तथा मांगकर्ताओं के रिकॉर्ड का केंद्रीकृत एवं मानकीकृत प्रबंधन

स्वयंसेवक नामांकन: स्वयंसेवकों का डिजिटल पंजीकरण, सत्यापन और रिकॉर्ड का रखरखाव

कैरेक्टर शीट मैनेजमेंट: कैरेक्टर शीट तथा तैनाती-संबंधी रिकॉर्ड का सुरक्षित डिजिटल रखरखाव और पुनर्प्राप्ति

प्रशिक्षण प्रबंधन: प्रशिक्षण कार्यक्रम, भागीदारी और प्रशिक्षण उपरांत रिकॉर्ड का डिजिटल प्रबंधन

रिक्विजिशनर ऑनबोर्डिंग: माँगकर्ताओं की संरचित डिजिटल ऑनबोर्डिंग

मांगकर्ता प्रबंधन: तैनाती संबंधी आवश्यकताओं का ऑनलाइन प्रस्तुतिकरण, अनुमोदन और निगरानी

तैनाती आदेश प्रबंधन: तैनाती के आदेशों का सुरक्षित डिजिटल रखरखाव

उपस्थिति प्रबंधन: दैनिक उपस्थिति एवं तैनाती का सुरक्षित डिजिटल रखरखाव एवं निगरानी

मानदेय भुगतान प्रबंधन: वेतन एवं मानदेय भुगतान की सुव्यवस्थित प्रक्रिया और निगरानी

परिणाम एवं लाभ

गृह रक्षक स्वयंसेवक प्रबंधन प्रणाली के महत्वपूर्ण प्रशासनिक एवं परिचालन लाभ:

पारदर्शिता और जवाबदेही में वृद्धि - डिजिटल रूप से ट्रैक किए जाने वाला ऑडिट योग्य अभिलेख

कागजी कार्यवाही और मैनुअल हस्तक्षेप में कमी – परिणामस्वरूप, प्रक्रियाओं का त्वरित प्रसंस्करण

वास्तविक समय-आधारित निगरानी - सटीक जानकारी

बेहतर समन्वय

केंद्रीकृत डेटा प्रबंधन - प्रक्रियाओं के दोहराव और त्रुटियों में कमी

स्वयंसेवकों के लिए अधिक पारदर्शिता

डेटा-आधारित निर्णय - वास्तविक समय-आधारित रिपोर्ट, एनालिटिक्स और ऑपरेशनल अंतर्दृष्टि के माध्यम से बेहतर निर्णय क्षमता

प्रशासनिक दक्षता में सुधार - मानकीकृत तथा वर्कफ़्लो-आधारित प्रक्रियाओं के माध्यम से प्रशासनिक दक्षता में सुधार

प्रौद्योगिकी और सुरक्षा उपाय

इस प्रणाली को आधुनिक माइक्रोसर्विसेज़-आधारित आर्किटेक्चर का उपयोग करके विकसित किया गया है, जो अनुकूलन, लचीलापन और भविष्य में आसान विस्तार की सुविधा प्रदान करता है। इसके प्रौद्योगिकी स्टैक में React.js, Node.js/ Express. js, PostgreSQL,

Docker और NGINX (OpenResty) के साथ सुरक्षित REST API का उपयोग किया गया है तथा लिनक्स सर्वर प्लेटफ़ॉर्म पर होस्ट कि गई इस प्रणाली में डेटा के सुरक्षित एक्सेस और आदान-प्रदान के लिए HTTPS और JWT-based Authentication का प्रयोग किया गया है। इसमें प्रयुक्त कंटेनराइज़्ड आर्किटेक्चर भरोसेमंद डिप्लॉयमेंट, रखरखाव और संसाधनों के उपयोग को भी आसान बनाता है।

भविष्य की रूपरेखा

भविषयोन्मुखी दृष्टिकोण के साथ विकसित इस प्रणाली में मोबाइल एप्लीकेशन, WhatsApp नोटिफ़िकेशन के साथ एकीकरण, GIS-आधारित तैनाती एवं निगरानी तथा बायोमेट्रिक उपस्थिति आदि का एकीकरण प्रस्तावित हैं।

अतिथि अनुभव

श्रीमती सतवंत अटवाल त्रिवेदी, भा.पु.से.
महा निदेशक-एवं-महा आदेशक, गृह रक्षक हिमाचल प्रदेश

गृह रक्षक संगठन कानून-व्यवस्था बनाए रखने, आपदा के समय राहत एवं बचाव कार्यों, सार्वजनिक सुरक्षा तथा सरकार के विभिन्न अन्य कार्यों में सहयोग प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। संगठन के केंद्र में हमारे समर्पित स्वयंसेवक हैं, जिनकी सेवाएँ हमारे समुदायों की सुरक्षा और कल्याण में अमूल्य योगदान देती हैं।

बड़ी संख्या में स्वयंसेवकों वाली इस व्यवस्था के प्रभावी प्रबंधन के लिए समयबद्ध समन्वय, पारदर्शिता, जवाबदेही तथा सटीक जानकारी आवश्यक है। डिजिटल इंडिया तथा उत्तरदायी एवं नागरिक-केंद्रित शासन की परिकल्पना के अनुरूप, हिमाचल प्रदेश होम गार्ड्स विभाग ने राष्ट्रीय सूचना-विज्ञान केंद्र, हिमाचल प्रदेश के सहयोग से होम गार्ड्स स्वयंसेवक प्रबंधन प्रणाली के माध्यम से डिजिटल परिवर्तन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है।

22 मार्च 2026 को हिमाचल प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री, ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू द्वारा आरम्भ की गई यह प्रणाली एक व्यापक डिजिटल मंच है जो होम गार्ड्स स्वयंसेवकों के नामांकन से लेकर चरित्र सत्यापन, प्रशिक्षण, तैनाती, उपस्थिति तथा वेतन एवं मानदेय तक के पूरे सेवा-चक्र को शामिल करती है।

इन सभी प्रक्रियाओं को एक एकीकृत मंच पर लाने से मानवीय हस्तक्षेप, कार्यों की पुनरावृत्ति और देरी में कमी के साथ ही, इससे वास्तविक समय में निगरानी और अधिक प्रभावी निर्णय लेने में भी सहायता मिली है। स्वयंसेवकों को उनकी तैनाती, उपस्थिति तथा भुगतान की स्थिति के संबंध में अधिक स्पष्ट जानकारी के साथ पारदर्शिता, जवाबदेही और विश्वास को भी बढ़ावा मिला है।

यह प्रणाली विभाग तथा क्षेत्रीय इकाइयों के लिए उपलब्ध स्वयंसेवक बल की बेहतर योजना, समन्वय, अभिलेख प्रबंधन तथा तैनाती में बहुत ही उपयोगी है। हमारे स्वयंसेवकों के लिए भी यह सरल, अधिक पारदर्शी तथा उत्तरदायी प्रक्रियाओं की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

यह प्रणाली केवल एक तकनीकी पहल ही नहीं, बल्कि शासन व्यवस्था को मजबूत करने, स्वयंसेवकों को सशक्त बनाने तथा होम गार्ड्स संगठन की कार्यकुशलता और उत्तरदायित्व में सुधार करने का एक प्रयास है।

मैं, राष्ट्रीय सूचना-विज्ञान केंद्र, हिमाचल प्रदेश तथा होम गार्ड्स विभाग के सभी अधिकारियों, कर्मचारियों और हितधारकों के प्रयासों की हृदय से सराहना करती हूँ, जिन्होंने इस पहल की परिकल्पना करने और इसे लागू करने में योगदान दिया है। मुझे विश्वास है कि सभी संबंधित लोगों के निरंतर सहयोग से यह प्रणाली कुशल प्रशासन, पारदर्शिता, जवाबदेही तथा स्वयंसेवकों के सशक्तिकरण का एक महत्वपूर्ण साधन बनेगी।

मैं इस प्रणाली के सभी उपयोगकर्ताओं का हार्दिक स्वागत करती हूँ तथा इस के निरंतर विकास की आशा करती हूँ। हमें प्रसन्नता है कि हम मिलकर एक अधिक उत्तरदायी, कुशल और भविष्य की आवश्यकताओं के लिए तैयार होम गार्ड्स संगठन की दिशा में कार्य कर रहे हैं।

स्मार्ट वर्किंग टिप्स

टालमटोल को हराएँ: प्रतीक्षा नहीं, आरम्भ करें!

टालमटोल करना हमेशा प्रेरणा की कमी का परिणाम नहीं होता; प्राय ऐसा किसी बड़े या कठिन कार्य से अभिभूत होने के कारण भी होता है। इस प्रयास का उद्देश्य टालमटोल की आदत को पूरी तरह समाप्त करना नहीं, बल्कि किसी कार्य को आरम्भ करना आसान बनाना है। कोई एक छोटा कार्य चुनें, टाइमर सेट करें और आरम्भ करें। आज कुछ मिनट एकाग्र होकर किया गया काम कल के बहुत बड़े कार्य से बचा सकता है। यह तकनीक कार्यों को छोटे, अधिक व्यवस्थित और आसानी से ट्रैक किए जा सकने वाले चरणों में बाँटकर, टालमटोल को उत्पादकता में बदलने में सहायक सिद्ध हो सकती है।

टालमटोल की आदत को दूर करने के उपाय

बड़े कार्यों को छोटे चरणों में बाँटें: बड़े कठिन और बोझिल लगने वाले कार्यों को सरल और आसानी से पूरे किए जा सकने वाले चरणों में विभाजित करें।

स्पष्ट समय-सीमा निर्धारित करें: प्रत्येक कार्य को पूरा करने के लिए एक निश्चित समय निर्धारित करें।

5 मिनट का नियम अपनाएँ: किसी कार्य पर केवल पाँच मिनट काम करने का संकल्प लें। प्राय आरम्भ करना ही सबसे कठिन कार्य होता है।

महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता दें: कम आवश्यक गतिविधियों से पहले अति-आवश्यक एवं महत्वपूर्ण कार्यों को पूरा करें।

ध्यान भटकाने वाली चीजों को दूर करें: अनावश्यक नोटिफिकेशन बंद करें और काम करते समय सोशल मीडिया से दूरी बनाए रखें।

पोमोडोरो तकनीक अपनाएँ: 25 मिनट तक पूरी एकाग्रता से काम करें और फिर थोड़े समय का विश्राम लें।

तकनीक का समझदारी से उपयोग करें: डिजिटल कैलेंडर, रिमाइंडर, टास्क मैनेजर और फोकस ऐप्स की सहायता ली जा सकती है ।

एक साथ कई कार्य करने से बचें: व्यवस्थित और अधिक प्रभावी ढंग से काम करने के लिए एक समय में एक ही कार्य पर ध्यान केंद्रित करें।

स्वयं को पुरस्कृत करें: किसी कार्य को पूरा करने के बाद थोड़े समय का विश्राम लें या स्वयं को कोई छोटा-सा पुरस्कार दें।

अभी आरम्भ करें: "उत्तम समय या मनोदशा" की प्रतीक्षा न करें। आज उठाया गया एक छोटा सा कदम, कल के लिए बनाई गई एक सर्वोत्तम योजना से श्रेष्ठतर होता है।

ये छोटी-छोटी तकनीकें एवं उपाय, टालमटोल करने की आदत से छुटकारा पाने में बहुत प्रभावी सिद्ध होते हैं।

नवीनतम गतिविधियां

- एन.आई.सी. हिमाचल प्रदेश द्वारा खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग, हिमाचल प्रदेश के लिए नई जी.आई.जी.डब्ल्यू.-अनुपालित एवं सी.एम.एस.-आधारित वेबसाइट (https://food.hp.gov.in/) विकसित एवं कार्यान्वित की गई।
- हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा शिमला में उत्तरी क्षेत्रीय परिषद की स्थायी समिति की 22वीं बैठक के सुचारु एवं निर्बाध आयोजन के लिए एन.आई.सी. हिमाचल प्रदेश द्वारा विभिन्न प्रकार का तकनीकी सहयोग प्रदान किया गया।

- राज्य के पंचायती राज तथा शहरी स्थानीय निकायों के वर्ष 2026 के आम चुनावों के लिए एन.आई.सी. हिमाचल प्रदेश द्वारा विभिन्न प्रकार का तकनीकी सहयोग प्रदान किया गया। चुनावों के सुचारु एवं निष्पक्ष आयोजन के लिए ई.आर.एम.एस., डी.पी.एम.आई.एस., वी.डी.एम.एस., वोटर सारथी, बी.बी.एम.आई.एस. और आई.एम.आई.एस. आदि विभिन्न वेब और मोबाइल ऐप उपलब्ध करवाए गए।
- छात्रो को हिमाचल प्रदेश लोक निर्माण विभाग के विश्राम गृहों के डॉरमिटरी में बेड-आधारित बुकिंग की सुविधा उपलब्ध करवाने के लिए हिम-अतिथि रेस्ट हाउस बुकिंग प्रणाली को अद्यतित किया गया।
- पशुपालन विभाग हिमाचल प्रदेश के लिए विकसित दूध प्रोत्साहन योजना (AHMIS) में लाभार्थियों के सटीक सत्यापन के लिए, आधार-आधारित eKYC सेवा लागू की गई।
- श्री एस. कृष्णन, सचिव इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा एन.आई.सी. ज़िला केंद्र, कांगड़ा (धर्मशाला) से वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से एक बैठक का आयोजन किया गया जिसमें एन.आई.सी. हिमाचल प्रदेश द्वारा प्रदान की जा रही विभिन्न आई.सी.टी. गतिविधियों की समीक्षा की गई।
- हिमाचल प्रदेश विधानसभा का बजट सत्र – 2026, 'नेवा - नेशनल ई-विधान एप्लीकेशन' के माध्यम से आयोजित किया गया। सत्र के सुचारू संचालन के लिए एन.आई.सी. हिमाचल प्रदेश द्वारा तकनीकी सहायता प्रदान की गई।

गंतव्य

हामटा पास

हिमालयी क्रॉसओवर एडवेंचर ट्रैक

हामटा पास ट्रैक हिमाचल प्रदेश की सबसे मनोरम उच्च-ऊंचाई वाली दुर्गम पद-यात्राओं में से एक है। पश्चिमी हिमालय की पीर पंजाल पर्वतमाला में स्थित यह दर्रा, समुद्र तल से लगभग 4,270 मीटर (14,010 फीट) की ऊंचाई पर स्थित है। भारत के सबसे अद्वितीय क्रॉसओवर पद-यात्राओं में से एक यह ट्रैक हरी-भरी कुल्लू घाटी को ऊबड़-खाबड़ एवं सुदूरवर्ती लाहौल घाटी के साथ जोड़ता है। यह ट्रैक मनाली के पास से आरंभ होकर जंगलों, अल्पाइन घास के मैदानों, हिमनदीय धाराओं और बर्फ से ढके पर्वतीय दर्रों के बीच से होते हुए एक अविस्मरणीय यात्रा का अनुभव करवाता है।

यात्रा का उत्तम समय

हामटा पास ट्रैक के लिए आदर्श समय जून के मध्य से सितंबर तक रहता है। जून के मध्य से जुलाई के आरंभ तक का समय बर्फ से ढके रास्तों और बर्फ से बने पुलों का अनुभव करने के लिए सर्वोत्तम होता है जबकि जुलाई और अगस्त के मध्य घाटियां हरे-भरे घास के मैदानों, रंग-बिरंगे अल्पाइन फूलों और झरनों से भर जाती हैं। सितंबर में आसमान साफ, मौसम सुहावना और पहाड़ों के रमणीक दृश्य देखने को मिलते हैं, जिससे यह ट्रेकिंग के लिए सबसे उपयुक्त समय बन जाता है।

ट्रैक की मुख्य विशेषताएं

ट्रैक जोबरा से शुरू होकर रानी नाला के किनारे स्थित खूबसूरत कैंपसाइट चिका तक पहुंचने से पहले चीड़, ओक, मेपल और सिल्वर बर्च के जंगलों से होकर गुजरता है। इसके बाद यह ट्रैक ऊंचे-ऊंचे पहाड़ों और हिमनदीय परिदृश्यों से घिरी एक सुंदर कैंपसाइट बालू का घेरा तक जाता है। हामटा पास को पार करना इस ट्रैक का अविस्मरणीय आकर्षण है। यहां से शानदार इंद्रासन और देव टिब्बा चोटियों के मनमोहक दृश्य दिखाई देते हैं, जिसके बाद ट्रैक लाहौल के आकर्षक ठंडे रेगिस्तानी क्षेत्र की ओर जाता है।

कई ट्रेकिंग यात्राक्रमों में निर्मल जल और मनमोहक हिमालयी परिवेश के लिए प्रसिद्ध, चंद्रताल झील (मून लेक) की यात्रा का विकल्प भी शामिल होता है।

कैसे पहुंचे

वायु मार्ग द्वारा: लगभग 50 किलोमीटर दूर स्थित भुंतर (कुल्लू–मनाली हवाई अड्डा), मनाली से निकटतम हवाई अड्डा है जहां से दिल्ली के लिए नियमित उड़ानें उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त, लगभग 280 किलोमीटर दूर स्थित चंडीगढ़ का एस.बी.एस. अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा, एक अन्य प्रमुख हवाई अड्डा है। यहाँ से टैक्सी या सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करके सड़क मार्ग द्वारा मनाली पहुँचा जा सकता है।

रेल मार्ग द्वारा: मनाली से निकटतम ब्रॉड-गेज रेलवे स्टेशन लगभग 195 किलोमीटर दूर किरतपुर में है, जबकि लगभग 270 किलोमीटर दूर स्थित चंडीगढ़ एक अन्य सुविधाजनक रेलवे स्टेशन है। यहाँ से टैक्सी या नियमित बस सेवाओं के माध्यम से मनाली पहुंचा जा सकता है।

सड़क मार्ग द्वारा: हामटा पास ट्रेक का आधार स्थल मनाली, उत्तर भारत के प्रमुख शहरों से सड़क मार्ग द्वारा अच्छी तरह जुड़ा हुआ है और इन सभी स्थानों से मनाली के लिए नियमित बस एवं टैक्सी सेवाएं उपलब्ध हैं। अटल टनल रोहतांग, लाहौल घाटी और मनाली के बीच सुविधाजनक सड़क संपर्क प्रदान करती है, जिससे ट्रेक से वापसी की यात्रा अधिक सुगम एवं आरामदायक हो जाती है।

टेक अपडेट

NoSQL डेटाबेस की संरचना और क्षमता

NoSQL डेटाबेस का विकास पारंपरिक SQL डेटाबेस की उन सीमाओं को दूर करने के लिए हुआ, जो बड़ी मात्रा में असंरचित और तेजी से बढ़ते डेटा को संभालने में असमर्थ थे। रिलेशनल डेटाबेस के विपरीत, जो निश्चित स्कीमा और ACID गुणों पर निर्भर करते हैं, NoSQL सिस्टम BASE मॉडल के माध्यम से लचीलेपन, स्केलेबिलिटी और उच्च प्रदर्शन को प्राथमिकता देते हैं। NoSQL डेटाबेस को चार मुख्य प्रकारों: दस्तावेज़ स्टोर, कुंजी-मूल्य स्टोर, वाइड-कॉलम स्टोर और ग्राफ डेटाबेस में वर्गीकृत किया गया है। प्रत्येक मॉडल को विशिष्ट उपयोग, जैसे कि सामग्री प्रबंधन, कैशिंग, बिग डेटा एनालिटिक्स और सोशल नेटवर्क के लिए डिज़ाइन किया गया है। क्षैतिज स्केलेबिलिटी और कम विलंबता प्रदर्शन के साथ, NoSQL डेटाबेस आधुनिक डेटा-संचालित अनुप्रयोगों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

मूल सिद्धांत: ACID बनाम BASE

पारंपरिक SQL डेटाबेस पूर्ण डेटा अखंडता की गारंटी के लिए कठोर ACID गुणों (एटॉमिकिटी, कंसिस्टेंसी, आइसोलेशन, ड्यूरेबिलिटी) का पालन करते हैं, जो उन्हें बैंकिंग लेजर लेन-देन जैसी प्रणालियों के लिए आदर्श बनाते हैं।

इसके विपरीत, NoSQL सिस्टम, वितरित क्लस्टरों में अधिकतम थ्रूपुट सुनिश्चित करने के लिए BASE गुणों के आधार पर निर्मित होते हैं।

- **मूलतः उपलब्ध/Basically Available:** आंशिक रूप से नोड विफलताओं के समय भी डेटाबेस कार्यात्मक और उपलब्ध रहता है
- **सॉफ्ट स्टेट/Soft State:** जैसे-जैसे सर्वर के बीच रेप्लिका सिंक होते हैं, डेटा बिना किसी विशेष एप्लीकेशन इंटरैक्शन के, समय के साथ डायनामिक रूप से बदल सकता है
- **अंततः संगति/Eventual Consistency:** सिस्टम यह सुनिश्चित करता है कि, यदि कोई नया अपडेट नहीं आता है, तो सभी प्रतिकृतियां अंततः समान स्थिति में आ जाएंगी

प्रमुख NoSQL डेटा मॉडल

- **डॉक्यूमेंट स्टोर्स:** यह डेटा को JSON या XML जैसे फ़ॉर्मैट में फ़्लेक्सिबल डॉक्यूमेंट्स के तौर पर स्टोर करते हैं और कंटेंट मैनेजमेंट सिस्टम और ई-कॉमर्स एप्लिकेशन के लिए आदर्श होते हैं
- **कुंजी-मान संग्रह:** यह सरल कुंजी-मान युग्मों के रूप में डेटा संग्रहीत करते हैं, जिससे पढ़ने और लिखने की क्रियाएं अत्यंत तीव्र हो जाती हैं और प्राय कैशिंग और सत्र प्रबंधन के लिए उपयोग किए जाते हैं
- **व्यापक-स्तंभ संग्रह:** यह पंक्तियों के स्थान पर कॉलम के रूप में डेटा व्यवस्थित करते हैं, जिससे यह बड़े डेटा विश्लेषण और IoT अनुप्रयोगों के लिए उपयुक्त होते हैं
- **ग्राफ़ डेटाबेस:** यह जुड़े हुए डेटा को दिखाने के लिए नोड्स और रिलेशनशिप का प्रयोग करते हैं, जिससे यह सोशल नेटवर्क, रिकमेंडेशन इंजन और धोखाधड़ी का पता लगाने वाली प्रणालियों के लिए प्रभावी होते हैं

यह मॉडल विविध आधुनिक अनुप्रयोगों के लिए लचीलापन, स्केलेबिलिटी और उच्च प्रदर्शन प्रदान करते हैं।

फॅमिली कनैक्ट

37 वर्षों से अधिक की अनुकरणीय सेवा एवं उत्कृष्ट नेतृत्व प्रदान करने के पश्चात, श्री अजय सिंह चैहल, उपमहानिदेशक एवं राज्य सूचना-विज्ञान अधिकारी हिमाचल प्रदेश, 30 अप्रैल 2026 को अधिवर्षता आयु पूर्ण होने पर सरकारी सेवा से सेवानिवृत्त हुए। संगठन के प्रति उनका उल्लेखनीय योगदान सदैव अविस्मरणीय रहेगा। उनकी निष्ठा, उपलब्धियाँ एवं अनेक राष्ट्रीय पुरस्कार उनके विशिष्ट एवं गौरवपूर्ण सेवाकाल के प्रमाण हैं। एन.आई.सी. हिमाचल प्रदेश उनके स्वस्थ, सुखद एवं आनंदमय सेवानिवृत्त जीवन की हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित करता है — उनकी विरासत हम सभी को सदैव प्रेरित करती रहेगी।

श्री संदीप सूद, उपमहानिदेशक, एन.आई.सी. हिमाचल प्रदेश में लगभग 35 वर्षों की उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान करने के उपरांत 30 अप्रैल 2026 को राष्ट्रीय सूचना-विज्ञान केंद्र मुख्यालय, नई दिल्ली के लिए स्थानांतरित हुए। एन.आई.सी. हिमाचल प्रदेश, श्री संदीप सूद के सुखद, आनंदमय और उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

श्री संदीप कुमार, वैज्ञानिक-एफ तथा श्री भूपिंदर सिंह, वैज्ञानिक-डी एन.आई.सी. हिमाचल प्रदेश में अपनी बहुमूल्य सेवाएं प्रदान करने के उपरांत 30 जून 2026 को राष्ट्रीय सूचना-विज्ञान केंद्र मुख्यालय, नई दिल्ली के लिए स्थानांतरित हुए। एन.आई.सी. हि. प्र., श्री संदीप कुमार और श्री भूपिंदर सिंह के सुखद एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

सुश्री अंजू देवी तथा श्री विकास पूनिया ने एन.आई.सी. हिमाचल प्रदेश में वैज्ञानिक/तकनीकी सहायक-ए के पद पर अपना व्यवसायिक जीवन आरंभ किया। एन.आई.सी. हिमाचल प्रदेश इस नव नियुक्त अधिकारियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

श्री ललित कपूर ने 02 मई 2026 को एन.आई.सी. हिमाचल प्रदेश में नए राज्य सूचना-विज्ञान अधिकारी के पद पर कार्यभार ग्रहण किया। एन.आई.सी. हिमाचल प्रदेश उन्हें इस महत्वपूर्ण दायित्व के निर्वहन हेतु शुभकामनाएँ प्रेषित करता है तथा उनके नेतृत्व में एन.आई.सी. के सामूहिक लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु पूर्ण सहयोग का आश्वासन देता है।

"हमारे कई सपने शुरू में असंभव लगते हैं, फिर असंभाव्य, और फिर, जब हममें संकल्पशक्ति आती है तो ये सपने अवश्यंभावी हो जाते हैं।"

क्रिस्टोफर रीव

परामर्श: श्री ललित कपूर

संवाद पत्र टीम

मुख्य संपादक: श्री विनोद कुमार गर्ग
संपादक: श्री आशीष शर्मा
संपादक: श्री पृथ्वी राज
डिज़ाइन एवं रचनात्मक कलाएं: श्री सर्वजीत कुमार

योगदानकर्ता:
श्री विनोद कुमार गर्ग
श्री संदीप अंतिल
श्री आनंद कुमार वर्मा

अस्वीकरण: लेखों में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं, और लेखों में निहित तथ्यों एवं सूचना की सटीकता की जिम्मेदारी लेखकों की है।

एनआईसी National Informatics Centre

राष्ट्रीय सूचना-विज्ञान केंद्र, हिमाचल प्रदेश जिला इकाई, हिमाचल प्रदेश सचिवालय, छठा तल, शिमला - 171002, हिमाचल प्रदेश

https://nichimachal.nic.in **sio-hp@nic.in**

उद्गार - The Outpouring

महान कर्मयोगी,
प्रेरणास्रोत बनकर,
पथप्रदर्शक की तरह जो चले,
वही सच्चा मार्गदर्शक बने।
न हो जिसे फल की चिंता,
न थके जो कठिनाइयों से,
अपने कर्म में जो रमे सदा,
वो जीते हर ऊँचाइयों से।
अंधेरों में जो दीप जलाए,
भटकों को राह दिखाए,
वो ही जीवन को सार्थक बनाए।
हार को जो न माने अंत,
हर संघर्ष को अवसर समझे,
वही रचता है नया प्रांत।
चलो बनें हम भी ऐसे,
कर्म को ही धर्म मानें,
अपने प्रयासों की शक्ति से,
नया इतिहास हम जानें।

~ संजय शर्मा

2014 में बने SIO, लेकर आए नया जोश, पूरी टीम जवान थी, नई मंजिल छूने का था जानदार होश!
GenPMIS को मानव-सम्पदा बना दिया, Mid Day Meal को PM POSHAN से ट्रैक किया!
State Projects को भी चमका दिया, Digital India Chart में एन.आई.सी. हिमाचल का नाम लिख दिया!!

100+ ऐप्स बनवा डालीं - जैसे चपाती बेल रहे हों, सॉफ्टवेयर के साथ साहब - फुटबॉल खेल रहे हों!
'नंबर वन' रहने की ऐसी धुन, कि खुद भी नहीं सोए, और जो गलती से सो रहे थे, उनके भी नींद-चैन खोए!!

कोविड आया तो दुनिया ने, घरों में 'योग' किया, पर साहब ने हमें 'Covid Care' के कोड में झोंक दिया!
OxyCare और मानव संपदा, National Product बन गए, साहब के vision के आगे, बड़े-बड़े सुरमा तन गए!!

National Awards की भरमार लगा दी,
e-Governance से लेकर Digital India Awards की ट्रॉफी एन.आई.सी. हिमाचल को दिलवा दी!
President of India से जब Gold Icon Award मिला, तब जाके साहब ने थोड़ी ब्रेक लगा दी!!

जब थक जाते कोडिंग से, तो क्रिकेट का दांव चलता था, मैदान में साहब का बल्ला भी खूब उछलता था!
और जब शाम ढलती, तो महफ़िल भी रंगीन होती थी, उस खनकती शाम में, नई कोई कहानी जीवंत होती थी!!

अपने 'कमांडोज' की खातिर तो, पूरे महकमे से भिड़ जाते थे, हमारे हक की बात पे साहब, बड़े साहबों से लड़ जाते थे!
पत्राचार का शौक ऐसा, कि लेटर खुद ही बना डालते थे, साहब के ड्राफ्ट के आगे, बड़े-बड़े अफसर भी सर झुकाते थे!
ऊपर से सख्त दिखते थे, पर दिल में सबके लिए प्यार था, एन.आई.सी. हिमाचल का हर बंदा, आपका ही परिवार था!!

आज विदाई की घड़ी है, पर ये कहानी खत्म नहीं होगी, साहब की ये विरासत, हर सिस्टम में जिंदा रहेगी!
आपने जो राह दिखाई, हम उस पर चलते रहेंगे, एन.आई.सी. हिमाचल के इस परचम को, और ऊँचा करते रहेंगे!!

~ मुकेश कुमार

साभार: श्री संजय शर्मा एवं श्री मुकेश कुमार, श्री अजय सिंह चैहल जी कि सेवा-निवृति के उपलक्ष पर